This Question Paper consists of 35 questions and 8 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No. / अनुक्रमाङ्कः

Code No. 65/SS/A
गूढसंख्या

Set / स्तबकः **A**

VEDA ADHYAYAN

वेदाध्ययनम्

(345)

Day and Date of Examination :
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च)
परीक्षा दिन और तिथि)

Signature of Invigilators : 1. ____________
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)
निरीक्षक के हस्ताक्षर)
2. ____________

सामान्या निर्देशाः / सामान्य निर्देश :

1 अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।

3 वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

4 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5 उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर–पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।

6 स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **65/SS/A,** सेट- **A** नूनं लेख्या।

अपने उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **65/SS/A,** सेट- **A** लिखें।

7 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

VEDA ADHYAYAN

वेदाध्ययनम्

(345)

परीक्षासमयावधिः (Time) होरात्रयम् (3 Hrs)] [पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100

निर्देशाः :

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **10**, **[B]** भागे **10**, **[C]** भागे **10**, **[D]** भागे **5** इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न–पत्र में **[A]** भाग में **10**, **[B]** भाग में **10**, **[C]** भाग में **10**, **[D]** भाग में **5** – कुल मिलाकर **35** प्रश्न हैं।

(2) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

(3) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत। **10×1=10**

दस के उचित विकल्प चुनिए।

1. ज्ञानाग्रेः प्रज्वलनं भवति।

(क) कर्मणा (ख) मेधया

(ग) श्रद्धया (घ) विनयेन

ज्ञान की अग्नि प्रज्वलित होती है :

(क) कर्म से (ख) बुद्धि से

(ग) श्रद्धा से (घ) विनय से

2. वेदाङ्गानि भवन्ति।

(क) त्रीणि (ख) षट्

(ग) पञ्च (घ) सहस्राणि

वेद के अंग होते हैं :

(क) तीन (ख) छह

(ग) पाँच (घ) हजारों

3. कतरशब्दः कीदृशः।

(क) अन्तोदात्तः (ख) आद्युदात्तः

(ग) मध्योदात्तः (घ) एकमपि न

कतरशब्द किस प्रकार का है –

(क) अन्तोदात्तः (अन्त उदात्त) (ख) आद्युदात्तः (आदि उदात्त)

(ग) मध्योदात्तः (मध्य उदात्त) (घ) एक भी नहीं

4. दोषावस्तः इस्यस्यार्थ को भवति?

(क) रात्रौ अहनि च (ख) दिवसे दिवसे

(ग) संवत्सरे (घ) पक्षत्रये

दोषावस्तः इसका क्या अर्थ है?

(क) रात में दिन में (ख) दिन दिन में

(ग) साल में (घ) तीन पक्ष में

5. अक्षैर्मा _____ कृषिमित् कृषस्व।

(क) दीव्यः (ख) कुरुत

(ग) गच्छत (घ) रमत

जुआँ मत _____ कृषि करो।

(क) खेलो (ख) करो

(ग) जाओ (घ) रमण करो

6. काण्वशाखा भवति।

(क) यजुर्वेदस्य (ख) शुक्लयजुर्वेदस्य

(ग) कृष्णयजुर्वेदस्य (घ) सामवेदस्य

काण्वशाखा है –

(क) यजुर्वेद की (ख) शुक्ल यजुर्वेद की

(ग) कृष्ण यजुर्वेद की (घ) सामवेद की

7. देवीसूक्तं दशमण्डलस्य कतमं सूक्तं भवति।

(क) 125 तमम् (ख) 130 तमम्

(ग) 135 तमम् (घ) 140 तमम्

देवीसूक्त दसमण्डल के कितने सूत्र होते हैं ?

(क) 125 तमम् (ख) 130 तमम्

(ग) 135 तमम् (घ) 140 तमम्

8. विवास इति पदस्यार्थो भवति।

(क) परिचर (ख) सञ्चर

(ग) उभयौ (घ) एकोऽपि न

विवास इस शब्द का अर्थ है –

(क) परिचर (ख) सञ्चर

(ग) दोनों (घ) एक भी नहीं

9. पुरुषसूक्तं भवति।

(क) दार्शनिक सूक्तम् (ख) संवादसूक्तम्

(ग) लौकिक सूक्तम् (घ) धर्मनिरपेक्षसूक्तम्

पुरुष सूक्त है –

(क) दार्शनिक सूक्त (ख) संवाद सूक्त

(ग) लौकिक सूक्त (घ) धर्म निरपेक्ष सूक्त

10. बहुव्रीहौ संज्ञायाम् विश्वशब्दौ भवति।

(क) आद्युदात्तः (ख) अन्तोदात्तः

(ग) सर्वानुदात्तः (घ) सर्वोदात्तः

बहुव्रीहि में, संज्ञा में विश्व शब्द होता है –

(क) आदि उदात्त (ख) अन्त में उदात्त

(ग) सब जगह उदात्त (घ) सब में उदात्त

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत। **10×2=20**

दस के यथानिर्दिष्ट लघु उत्तर लिखिए :

1. ब्राह्मणः कदा अग्न्याधानं करोति? वैश्यस्य अग्न्याधानं कदा भवति?
ब्राह्मण कब अग्नि स्थापित करता है? वैश्य का अग्नि स्थापन कब होता है?

2. व्याकरणशब्दस्य व्युत्पत्तिं लिखत।
व्याकरण शब्द की उत्पत्ति के विषय में लिखिए।

3. पुरुषसूक्तस्य कः ऋषिः? अत्र काति मन्त्राः सन्ति?
पुरुष सूक्त का ऋषि कौन है? इसमें कितने मंत्र हैं?

4. ईले इत्यत्र केन सूत्रेण कः स्वरा विधीयते?
ईले इस शब्द में किस सूत्र द्वारा किस स्वर का बोध (प्रयोग) होता है?

5. एकश्रुतिः कुत्र भवति? किं च सूत्रम्?
एक श्रुति कहाँ होता है? और (इसका) सूत्र क्या है?

6. अथर्ववेदस्य कति उपनिषदः प्राप्यन्ते?
अथर्ववेद के कितने उपनिषद प्राप्त (होते) हैं ?

7. विष्णु सूक्तस्य कः ऋषिः? का च देवता?
विष्णु सूक्त का ऋषि कौन है और देवता कौन है?

8. भुवनपतिः इत्यत्र कः स्वरो विधीयते?
भुवनपति यहाँ किस स्वर का विधान (प्रयोग) है?

9. षष्ठयन्तस्य कः स्वरः केन सूत्रेण विधीयते?
छठे अंत का कौन सा स्वर किस सूत्र द्वारा नियामन किया जाता है? (प्रयोग) (बोध)

10. गतिरनन्तर इति सूत्रस्य कोऽर्थः? किञ्चोदाहरणम्?
गतिरनन्तर इस सूत्र का क्या अर्थ है? कोई उदाहरण दीजिए।

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **10×4=40**

दस के लघु उत्तर दीजिए :

1. व्याकरणाध्ययनस्य कानि प्रयोजनानि ?
व्याकरण अध्ययन का क्या प्रयोजन है ?

2. लैत्तिरीयसंहितामाश्रित्य टीकां लिखत।
तैत्तिरीय संहिता पर (आधारित) टीका लिखिए।

3. केनोपनिषदं छान्दोग्योपनिषदं वॉश्रित्य टीकां लिखत।
केन उपनिषद या छान्दोग्य उपनिषद पर (आधारित) टीका लिखिए।

4. कौथुमशाखाराणायणीयशाखयोर्मध्ये काञ्चिदेकामाश्रित्य टीकां लिखत।
कौथुम शाखा राणायणीय शाखा में से किसी एक पर टीका लिखिए।

5. नमस्ते रुद्र मन्यवे इति मन्त्रं व्याख्यात।
नमस्ते रुद्र मन्यवे इस मन्त्र की व्याख्या कीजिए।

6. पृथिव्याः माहात्म्यम् **अथवा** पृथिव्याः सौन्दर्यं सूक्तानुसारं प्रतिपादयत।
पृथ्वी की महत्ता **अथवा** पृथ्वी का सौन्दर्य सूक्त के अनुसार प्रतिपादित कीजिए।

7. निपातस्वर विधायकं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।
निपात स्वर विधायक सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

8. उपसर्गस्वरविधायकं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।
उपसर्ग स्वर विधायक सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

9. तत्पुरुषस्य प्रकृतिस्वरः कदा विधीयते ? सूत्रं प्रत्येकमुदाहरणं च दीयताम्।
तत्पुरुष के प्रकृति स्वर का विधान (प्रयोग) कब होता है ? सूत्र तथा प्रत्येक उदाहरण दीजिए।

10. अक्षसूक्तानुसारं कितवानां दुर्दशां प्रतिपादयत। **अथवा** अक्ष स्वरूपं प्रतिपादयत।
अक्ष सूक्त के अनुसार कितवा की दुर्दशा प्रतिपादित कीजिए। **अथवा** अक्ष स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **5×6=30**

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

1. वेदस्य प्रामाण्यं स्वगिरा प्रतिपादयत।

वेदों की प्रामाणिकता अपनें शब्दों में सिद्ध कीजिए।

2. इन्द्रदेवतायाः स्वरूपं सूक्तानुसारं लिखत **अथवा** इन्द्रदेवतायाः चरित्रचित्रणं कुरुत।

इन्द्रदेवता का स्वरूप सूक्त के अनुसार लिखिए। **अथवा** इन्द्रदेवता का चरित्र–चित्रण कीजिए।

3. शिवसङ्कल्पसूक्तानुसारं मनसः स्वरूपं विशद्यतम्। **अथवा** शिवसङ्कल्पसूक्तस्य अन्तर्निहितं तात्पर्यं लिख्यताम्।

शिव संकल्प सूक्त के अनुसार मन के स्वरूप की व्याख्या करें **अथवा** शिव संकल्प सूक्त के अन्तर्निहित तात्पर्य (अभिप्राय) को लिखिए।

4. समासस्वर विधायकं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।

समासस्वर विधायक सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

5. सामगानस्य सामान्य परिचय प्रदीयताम्।

सामगान का सामान्य परिचय दीजिए।